हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता लोगों को वैश्विक स्तर पर प्रभावित कर रही : डॉ. मार्कण्डेय

एमडीयू की ओर से विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया।

भास्कर न्यूज | रोहतक

हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता ने न केवल भारतीय समाज को प्रभावित किया है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक धारा का योगदान दिया है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में भगवान कृष्ण द्वारा दिया गया भगवद गीता का उपदेश दुनिया भर में मानवता, धर्म, कर्म और योग के सिद्धांतों को समझने का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन चुका है। ये बात गुरुग्राम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. मार्कण्डेय आहूजा ने कही। वह एमडीयू में हरियाणा अध्ययन केंद्र, लोक प्रशासन विभाग, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, समाजशास्त्र विभाग व राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने विद्यार्थियों से अपनी संस्कृति और परंपराओं को जानने और उन पर गर्व करने की बात कही। इस अवसर पर हरियाणा अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो. एसएस चाहर, प्रो. सेवा सिंह दहिया, डॉ. जगबीर नरवाल, डॉ. राजेश कुंडू, डॉ. समुंद्र सिंह, डॉ. सुमनलता, जनसंपर्क अधिकारी पंकज नैन, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

[Total Pages: 30] (1)

N-201-10,000

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication: दैनिक जागरण 'जा.सिटी रोहतक'

Date: 13-11-24 Page: III Column: 1-4

Subject: भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक धारा का हिस्सा.....

२)

'भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक धारा का हिस्सा है हरियाणा'

जागरण संवाददाता • रोहतक : हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता का वैश्विक संदर्भ में महत्वपूर्ण प्रभाव रहा है। यह राज्य भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक धारा का हिस्सा है और यहां की गौरवशाली धार्मिक, सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक परंपराएं न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी प्रभावशाली रही हैं। यह उद्गार गुरुग्राम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डा. मारकंडेय आहूजा ने व्यक्त किए। वे मंगलवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के हरियाणा अध्ययन केन्द्र, लोक प्रशासन विभाग, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, समाजशास्त्र विभाग तथा राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विस्तार व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता पहुंचे थे।

एमडीयू में विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डा. मारकंडेय आहूजा को पौधा भेंट करते कुलपति प्रो. राजबीर सिंह। • जागरण

डा. आहूजा ने वैश्विक संदर्भ में हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता का प्रभाव विषय पर विस्तार व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता ने न केवल भारतीय समाज को प्रभावित किया है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक धारा का योगदान दिया है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में भगवान कृष्ण द्वारा दिया गया भागवद गीता का उपदेश दुनिया भर में मानवता, धर्म, कर्म और योग के सिद्धांतों को समझने का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन चुका है, ऐसा उनका कहना था।

डा. मार्कण्डेय आहूजा ने महंत गोविंद नाथ, महर्षि कपिल मुनि, महर्षि मुदगिल, बीरबल, सूफी संत शेख चिल्ली समेत अन्य महान विभूतियों के उदाहरण देते हुए हरियाणा की आध्यात्मिक और संत परंपरा और उसके प्रभाव को सामने रखा। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने विद्यार्थियों से अपनी संस्कृति और परंपराओं को जानने और उन पर गर्व करने की बात कही। उन्होंने जीवन में शिक्षा के सही उद्देश्य से विद्यार्थियों को अवगत करवाते हुए कहा कि शिक्षा के जरिए विद्यार्थी अपने और समाज के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं और राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। हरियाणा अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो. एसएस चाहर ने व्याख्यान की विषयवस्तु पर प्रकाश डाला और हरियाणा अध्ययन केंद्र की गतिविधियों और उद्देश्य को रेखांकित किया। डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंसेज प्रो. सेवा सिंह दहिया ने आभार जताया। डा. जगबीर नरवाल ने स्वागत भाषण दिया।

शोधार्थी मोहित ने मंच संचालन किया। आइएचटीएम सेमिनार हाल में आयोजित इस व्याख्यान कार्यक्रम में डा. राजेश कुंडू, डा. समुंद्र सिंह, डा. सुमनलता, जनसंपर्क अधिकारी पंकज नैन, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

PRO-1162
13/11/2024

For kind perusal of Vice Chancellor/
Dean AA/
Registrar,
please.

Sd/-
13/11/24
DPR

Vice Chancellor

Seen
[signature]
13/11/2024

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

N-201-10,000

②

Name of the Publication ....पंजाब केसरी (ह) रोहतक केसरी....

Date ..13-11-24.... Page ....II.... Column....6-8....

Subject ....हरियाणा की संस्कृति और अध्यात्मिकता वैश्विक....

हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता वैश्विक स्तर पर भी प्रभावशाली : आहूजा

रोहतक, 12 नवम्बर (मैनपाल): हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता का वैश्विक संदर्भ में महत्वपूर्ण प्रभाव रहा है।

यह राज्य भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक धारा का हिस्सा है, और यहां की गौरवशाली धार्मिक, सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक परंपराएं न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी प्रभावशाली रही हैं।

यह बात गुरुग्राम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डा. मार्कण्डेय आहूजा ने मंगलवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के हरियाणा अध्ययन केन्द्र, लोक प्रशासन विभाग, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, समाजशास्त्र विभाग तथा राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विस्तार व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता व्यक्त किए।

डा. मार्कण्डेय आहूजा ने वैश्विक संदर्भ में हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता का प्रभाव विषय पर विस्तार व्याख्यान दिया। अपने प्रभावी संबोधन में उन्होंने कहा कि हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता ने न केवल भारतीय समाज को प्रभावित किया है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक धारा का योगदान दिया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते डा. मार्कण्डेय आहूजा।

हरियाणा के कुरुक्षेत्र में भगवान कृष्ण द्वारा दिया गया भगवद गीता का उपदेश दुनिया भर में मानवता, धर्म, कर्म और योग के सिद्धांतों को समझने का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन चुका है, ऐसा उनका कहना था।

डा. मार्कण्डेय आहूजा ने महंत गोविंद नाथ, महर्षि कपिल मुनि, महर्षि मुदगिल, बीरबल, सूफी संत शेख चिल्ली समेत अन्य महान विभूतियों के उदाहरण देते हुए हरियाणा की आध्यात्मिक और संत परंपरा और उसके प्रभाव को सामने रखा।

अपनी संस्कृति और परंपराओं को जानें

वहीं, कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने अध्यक्षीय संबोधन में विद्यार्थियों से अपनी संस्कृति और परंपराओं को जानने और उन पर गर्व करने की बात कही। उन्होंने जीवन में शिक्षा के सही उद्देश्य से विद्यार्थियों को अवगत करवाते हुए कहा कहा शिक्षा के जरिए विद्यार्थी अपने और समाज के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं और राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

व्याख्यान की विषयवस्तु पर डाला प्रकाश

वहीं, हरियाणा अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो. एस.एस. चाहर ने व्याख्यान की विषयवस्तु पर प्रकाश डाला और हरियाणा अध्ययन केंद्र की गतिविधियों और उद्देश्य को रेखांकित किया। डीन, फैकल्टी ऑफ सोशल साइंसेज प्रो. सेवा सिंह दहिया ने आभार जताया।

डॉ. जगबीर नरवाल ने स्वागत भाषण दिया। शोधार्थी मोहित ने मंच संचालन किया। आईएचटीएम सेमिनार हाल में आयोजित इस व्याख्यान कार्यक्रम में डॉ. राजेश कुंडू, डॉ. समुंद्र सिंह, डॉ. सुमनलता, जनसंपर्क अधिकारी पंकज नैन, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

N-201-10,000 (3)

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication ..... अमर उजाला 'M/C रोहतक' .....

Date 13-11-24 ..... Page ..... 02 ..... Column ..... 7-8 .....

Subject ..... समाज मे सकारात्मक बदलाव लाएं विद्यार्थी .....

समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं विद्यार्थी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय एमडीयू के हरियाणा अध्ययन केन्द्र, लोक प्रशासन विभाग, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, समाजशास्त्र विभाग तथा राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को एक व्याख्यान हुआ। गुरुग्राम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. मार्कण्डेय आहूजा ने वैश्विक संदर्भ में हरियाणा की संस्कृति व आध्यात्मिकता का प्रभाव विषय पर विस्तार व्याख्यान दिया। हरियाणा की संस्कृति व आध्यात्मिकता ने भारतीय समाज को प्रभावित किया है। डीन फैकल्टी ऑफ सोशल साइंसेज प्रो. सेवा सिंह दहिया ने आभार जताया। हरियाणा अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. एसएस चाहर ने व्याख्यान की विषयवस्तु पर प्रकाश डाला।

डॉ. आहूजा ने कहा कि हरियाणा के कुरुक्षेत्र में भगवान कृष्ण की ओर से दिया गया भगवद गीता का उपदेश दुनिया भर में मानवता, धर्म, कर्म और योग के सिद्धांतों को समझने का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन चुका है। संवाद

N-201-10,000

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication ..... दैनिक भास्कर (रोहतक संस्करण)

Date ..... 13/11/2024 ..... Page ..... 4 ..... Column 3-4

Subject ..... हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता लोगों...

हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता लोगों को वैश्विक स्तर पर प्रभावित कर रही : डॉ. मार्कण्डेय

एमडीयू की ओर से विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया।

भास्कर न्यूज | रोहतक

हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता ने न केवल भारतीय समाज को प्रभावित किया है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक धारा का योगदान दिया है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में भगवान कृष्ण द्वारा दिया गया भगवद गीता का उपदेश दुनिया भर में मानवता, धर्म, कर्म और योग के सिद्धांतों को समझने का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन चुका है। ये बात गुरुग्राम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. मार्कण्डेय आहूजा ने कही। वह एमडीयू में हरियाणा अध्ययन केंद्र, लोक प्रशासन विभाग, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, समाजशास्त्र विभाग व राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने विद्यार्थियों से अपनी संस्कृति और परंपराओं को जानने और उन पर गर्व करने की बात कही। इस अवसर पर हरियाणा अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो. एसएस चाहर, प्रो. सेवा सिंह दहिया, डॉ. जगबीर नरवाल, डॉ. राजेश कुंडू, डॉ. समुंद्र सिंह, डॉ. सुमनलता, जनसंपर्क अधिकारी पंकज नैन, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

N-201-10,000

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication ......दैनिक ट्रिब्यून......

Date ...13-11-24... Page ...10... Column...5-8...

Subject ...मदवि में 'वैश्विक संदर्भ में हरियाणा की संस्कृति........

मदवि में 'वैश्विक संदर्भ में हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता का प्रभाव' पर व्याख्यान

दुनियाभर में प्रभावशाली है हरियाणा की संस्कृति : डॉ. मार्कण्डेय आहूजा

रोहतक, 12 नवंबर (हप्र)

हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता का वैश्विक संदर्भ में महत्वपूर्ण प्रभाव रहा है। यह राज्य भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक धारा का हिस्सा है, और यहाँ की गौरवशाली धार्मिक, सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक परंपराएँ न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी प्रभावशाली रही हैं। यह उद्गार गुरुग्राम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डा. मार्कण्डेय आहूजा ने मंगलवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के हरियाणा अध्ययन केन्द्र, लोक प्रशासन विभाग, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, समाजशास्त्र विभाग तथा राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विस्तार व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता व्यक्त किए।

डा. मार्कण्डेय आहूजा ने वैश्विक संदर्भ में हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता का प्रभाव विषय पर विस्तार व्याख्यान दिया। अपने प्रभावी संबोधन में उन्होंने कहा कि हरियाणा की संस्कृति और आध्यात्मिकता ने न केवल भारतीय समाज को प्रभावित किया है बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक धारा का योगदान दिया है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में भगवान कृष्ण द्वारा दिया गया भगवद गीता का उपदेश दुनिया भर में मानवता, धर्म, कर्म और योग के सिद्धांतों को समझने का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन चुका है, ऐसा उनका कहना था। डा. मार्कण्डेय आहूजा ने महंत गोविंद नाथ, महर्षि कपिल मुनि, महर्षि मुदगिल, बीरबल, सूफी संत शेख चिल्ली समेत अन्य महान विभूतियों के उदाहरण देते हुए हरियाणा की आध्यात्मिक और संत परंपरा और उसके प्रभाव को सामने रखा।

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने अध्यक्षीय संबोधन में विद्यार्थियों से अपनी संस्कृति और परंपराओं को जानने और उन पर गर्व करने की बात कही। उन्होंने जीवन में शिक्षा के सही उद्देश्य से विद्यार्थियों को अवगत करवाते हुए कहा कहा शिक्षा के जरिए विद्यार्थी अपने और समाज के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं और राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

हरियाणा अध्ययन केन्द्र के निदेशक प्रो. एस.एस. चाहर ने व्याख्यान की विषयवस्तु पर प्रकाश डाला और हरियाणा अध्ययन केंद्र की गतिविधियों और उद्देश्य को रेखांकित किया।

डीन, फैकल्टी ऑफ सोशल साइंसेज प्रो. सेवा सिंह दहिया ने आभार जताया।

डॉ. जगबीर नरवाल ने स्वागत भाषण दिया। शोधार्थी मोहित ने मंच संचालन किया। आईएचटीएम सेमिनार हाल में आयोजित इस व्याख्यान कार्यक्रम में डॉ. राजेश कुंडू, डॉ. समुंद्र सिंह, डॉ. सुमनलता, जनसंपर्क अधिकारी पंकज नैन, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।